

भगत तेरा माँ | By Ved Prakash |

भगत तेरा माँ
दर पे पड़ा माँ
दे इसे दीदार ज़रा
कबसे खड़ा तेरे
दरश की खातिर
ये बालक नादान तेरा

आज तलक मैं भटक रहा सँ
दर्शन के माता रानी
इब पता से वैरारी मन्ने
मत तू ही से कल्याणी
और नहीं इब तरसाइये माँ
करियो माता ध्यान मेरा
कबसे खड़ा तेरे
दरश की खातिर
ये बालक नादान तेरा
भगत तेरा माँ
दर पे पड़ा माँ
दे इसे दीदार ज़रा

और नहीं मैं ठोकर खाऊँ
इब मेरा कल्याण करो
हाथ दिया का मेरे सिर पे
इब मैया तुम आन धरो
छमक रह्यो मन
तुच्छ समझके
मैं चरणों में आन पड़ा
कबसे खड़ा तेरे
दरश की खातिर
ये बालक नादान तेरा
भगत तेरा माँ
दर पे पड़ा माँ

दे इसे दीदार ज़रा
आजा ना इस द्वार मेरी माँ
जीवन इब या थोड़ा से
कौन दिया है जग से री नाता
तेरे संग में जोड़ा से
दास तेरा माँ भटक रहा से
चरणों में तेरे ध्यान लगा
कबसे खड़ा तेरे
दरश की खातिर
ये बालक नादान तेरा
भगत तेरा माँ
दर पे पड़ा माँ
दे इसे दीदार ज़रा

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a4%97%e0%a4%a4-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-by-ved-prakash/>